ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-५६
दिनांक- शुक्रवार, १२ अगस्त, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.2 एवं दोपहर में 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 3.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(13–17 अगस्त, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 13–17 अगस्त, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी होने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31–33 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 10–15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगात बोयी गई अरहर की फसल में निकौनी तथा छटनी करे। सितंबर अरहर के लिए खेत की तैयारी करें।
- जिन किसान भाई के पास खरीफ प्याज का बिचड़ा तैयार है वे उथली क्यारियाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपनी करें। क्यारियों की चौड़ाई 2 मीटर एवं लम्बाई 3 से 5 मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवष्य बनावें।
- फूलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काषी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- फूलगोभी की अगात किस्में कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली की रोपाई करें। खेत की तैयारी के समय 20 से 25 टन सड़ी गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 60 से 80 किलोग्राम फॉस्फोरस, 40 से 60 किलोग्राम पोटाष प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार करे।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। शुरुवाती रोक–थाम के लिए बैगन की रोपाई के 10 दिनों बाद 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें। खड़ी फसल में दवा छिड़काव से पहले इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0 दवा का 1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से आसमान साफ रहने पर छिड़काव करे।
- उचॉस जमीन परवल की राजेन्द्र परवल–1, राजेन्द्र परवल–2, एफ0पी0–1, एफ0पी0–3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक, आई0आई0भी0आर0–1 आदि किस्मों की रोपनी करें। बीज दर 2500 गुच्छियाँ प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 2ग2 मीटर रखें। परवल की रोपाई के लिए प्रति गड्ढ़ा कम्पोस्ट 3 से 5 किलो ग्राम, नीम या अंडी की खल्ली 250 ग्राम, एस0एस0पी0 100 ग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाष 25 ग्राम एवं थिमेट 10 से 15 ग्राम का व्यवहार करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- पपीता की नर्सरी उथली क्यारियों (10–15 सेन्टी मीटर ऊँची) में बोयें। इसके लिए उन्नत प्रभेद पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डीलीसीयस, सी0ओ0–07, सुर्या एवं रेड लेडी है। बीजदर 300–350 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बीज को वैविस्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित कर क्यारियों में 07–10 सेन्टीमीटर की दूरी पर बोयें। पौधशाला को तेज धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए 40 प्रतिशत छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़कने की व्यवस्था करें।
- फलदार पौधें का बगान लगाने का यह समय उत्तम चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के श्वस्थ पौधों को अधिकृत नर्सरी से खरीद कर रोपनी करे। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा 40 से 50 किलोग्राम गोबर का प्रयोग अवष्य करें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी